किराड़ समाज के श्री कल्याणराय जी किराड़ क्षेत्रीय विकास समिति के शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय अध्यक्ष का भाषण

श्री राम कुमार मेहता, राष्ट्रीय महामंत्री;

श्री रामविलास मेहता, प्रदेश अध्यक्ष;

श्री आशीष मेहता, प्रवक्ता , किराड़ महासभा एवं भारतीय किसान संघ;

श्री शिशुपाल मेहता; किराड़ समाज के अन्य पदाधिकारीगण;

देवियो एवं सज्जनो; तथा

मेरे प्रिय साथियो :

आज आप सभी के बीच आकर मुझे बहुत खुशी और सम्मान की अनुभूति हो रही है। सबसे पहले, मैं किराड़ समाज के पदाधिकारियों को धन्यवाद देता हूँ कि उन्होंने मुझे श्री कल्याणराय जी क्षेत्रीय विकास समिति के शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया है।

मुझे यह जानकर ख़ुशी हुई कि नए कार्यकारी निकाय के गठन एवं शपथ ग्रहण समारोह के दौरान निःशुल्क चिकित्सा एवं परामर्श शिविर का भी आयोजन किया जा रहा है। मुझे विश्वास है कि इस नेक पहल से बड़ी संख्या में लोग लाभान्वित होंगे।

कोटा की जनता ने मुझे जो प्यार और स्नेह दिया है उसके लिए मैं उनका हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ। कोटा के लोग मेरे लिए प्रेरणा के

स्रोत हैं। उन्होंने मुझे राजस्थान विधान सभा के सदस्य और उसके बाद लोक सभा के सदस्य के रूप में अपने कर्तव्यों का पालन करने में जो समर्थन और सहयोग दिया है, उसके लिए मैं उनका धन्यवाद करता हूँ। मैं आशा करता हूँ कि भविष्य में भी मुझे उनका आशीर्वाद मिलता रहेगा।

कोटा राजस्थान का पाँचवा सबसे बड़ा शहर है। इसे राजस्थान की औद्योगिक राजधानी भी कहा जाता है। हम सौभाग्यशाली हैं कि कोटा शहर तेजी से विकसित हो रहा है और चम्बल घाटी परियोजना से इस शहर की राज्य के एक औद्योगिक नगर के रूप में पहचान बन गई है। रसायन, उर्वरक, सिंथेटिक फ़ाइबर, टायरकॉर्ड एवं आधुनिक उपकरण उद्योगों ने इस प्राचीन शहर को आधुनिक रूप दे दिया है।

पहले कोटा शहर कोटा पत्थर के लिए प्रसिद्ध था जिसकी भारत में सबसे अधिक मांग है। इस पत्थर का उपयोग आवासीय और व्यावसायिक भवनों के फर्श और दीवार बनाने के लिए किया जाता है।

आज, इंजीनियरिंग और मेडिकल साइंस के क्षेत्र में अपना करियर बनाने के लिए अनेक विद्यार्थी कोचिंग के लिए कोटा आते हैं। इस शहर ने न केवल अपना, अपितु पूरे राजस्थान राज्य का नाम रोशन किया है। इसे अब 'शिक्षा की काशी' के नाम से भी जाना जाने लगा है। प्रतिवर्ष पूरे भारत से लाखों की संख्या में विद्यार्थी कोचिंग करने के लिए कोटा आते हैं। पूरे शहर के विकास और प्रगति में इनका महत्वपूर्ण योगदान है।

राजस्थान, स्वर्णिम चतुर्भुज राजमार्ग परियोजना, प्रस्तावित डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसी) और दिल्ली-मुंबई औद्योगिक कॉरिडोर (डीएमआईसी) के दिल्ली-मुंबई खंड में स्थित है। लगभग 1,500 किलोमीटर

डीएफसी राजस्थान से होकर गुजरता है, जो कुल डीएफसी का 39 प्रतिशत है।

राजस्थान की लगभग 60 प्रतिशत आबादी इस कॉरिडोर से सटे क्षेत्र में रहती है। इस क्षेत्र में त्वरित विकास की संभावना है और अरबों डॉलर के निवेश के भी अवसर हैं।

लगभग 46% डीएमआईसी राजस्थान से होकर गुजरता है। डीएमआईसी नए निवेशकों को अत्याधुनिक अवसंरचना के साथ उपयुक्त परिवेश प्रदान करेगा।

जैसाकि आप सभी जानते हैं, राजस्थान में विशेष आर्थिक जोन्स दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे और पश्चिमी तट के बंदरगाहों के निकट स्थित हैं। इसलिए यह क्षेत्र बड़े पैमाने पर निर्यातोन्मुख औद्योगिक विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

मुझे आशा है कि प्रस्तावित दिल्ली-मुंबई फ्रेट कॉरिडोर का जो हिस्सा राजस्थान में पड़ेगा, उसके आसपास स्थित विशेष आर्थिक क्षेत्रों जैसे औद्योगिक क्षेत्रों के लिए विकास की अपार संभावनाएं उत्पन्न होंगी।

साथ ही, इससे राज्य में रत्न और आभूषण, हस्तशिल्प, ऊनी कालीन आदि जैसे उद्योगों की क्षमता का पूरा लाभ उठाया जा सकेगा। मुझे विश्वास है कि इन पहलों से कोटा को बहुत लाभ होगा।

हमारे लोगों की भलाई के उद्देश्य से मैं लंबे समय से किराड़ समाज के सदस्यों के साथ मिलकर कार्य कर रहा हूँ। समाज सेवा के प्रति अपनी अथक प्रतिबद्धता के लिए किराड़ समाज की सभी लोगों द्वारा सराहना की जाती है।

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि किराड़ समाज विभिन्न सामाजिक और विकास कार्यकलाप कर रहा है जिनमें छात्रों के लिए हॉस्टल का निर्माण करना, समाज के कमजोर तबकों को सशक्त बनाने हेतु कई विशेष योजनाएं चलाना, समाज के गरीब वर्गों के मेधावी छात्रों की सहायता करना, सामुदायिक भवनों का निर्माण करना, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और खेल कार्यक्रमों का आयोजन करना, मेधावी छात्रों एवं वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान करना, सामूहिक विवाह समारोहों तथा युवक - युवती परिचय सम्मेलन आदि का आयोजन करना शामिल है।

यह बहुत ही सराहनीय है कि किराड़ समाज गरीब और जरूरतमंद लोगों की सहायता कर रहा है और दया, करूणा, और प्रतिबद्धता पर आधारित एक समावेशी समाज का निर्माण कर रहा है।

मैं हॉस्टल के निर्माण हेतु किराड़ समाज को 10 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए माननीय केंद्रीय मंत्री श्री भूपेंद्र यादव जी को धन्यवाद देना चाहता हूँ।

मुझे यह जानकर खुशी हो रही है कि समिति द्वारा सामूहिक वार्षिक उत्सव के दौरान प्रत्येक वर्ष चिकित्सा शिविर, रक्तदान शिविर, निःशुल्क भोजन वितरण कार्यक्रम भी आयोजित किये जाते हैं। इसके अलावा, यह समाज स्व-रोजगार, भ्रमण और धार्मिक स्थानों की यात्रा आदि से संबधित जानकारी भी लोगों को उपलब्ध कराता है।

एक तरफ जहां किराड़ समाज के अधिकतर लोग अपने परंपरागत व्यवसाय कृषि से जुड़े हुए हैं, वहीं दूसरी ओर किराड़ समाज के बहुत से लोग

लोक सेवा और अकादमिक क्षेत्रों में भी उच्च पदों पर आसीन हैं और उद्यमिता के क्षेत्र में अग्रणी हैं।

किराड़ समाज ने समाज सेवा के नए मानक स्थापित किए हैं। अन्य लोगों को उनका अनुकरण करना चाहिए।

मुझे बताया गया है कि कार्यकारिणी के सभी नए सदस्य युवा हैं। मुझे इस बात की अत्यंत खुशी है कि कार्यकारिणी में 18 महिला सदस्य भी हैं, जोकि महिला सशक्तिकरण का स्पष्ट उदाहरण है।

मुझे श्री कल्याण राय जी किराड़ क्षेत्रीय विकास समिति के युवा पदाधिकारियों का उत्साह देखकर बहुत खुशी हो रही है। युवाओं की सक्रिय सहभागिता से मैं काफी प्रभावित हूँ जिससे समाज में एक सकारात्मक संदेश जाता है।

हम सभी जानते हैं कि युवा किसी भी देश की सर्वाधिक मूल्यवान संपत्ति होते हैं। युवा लोकतंत्र का भविष्य होते हैं। आज के युवा ही कल के नेता हैं और युवा ही दुनिया के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान कर सकते हैं। भारतीय युवा अपने सपनों को आकार देने और उन्हें साकार करने में सक्षम हैं।

भारत जैसे उभरते बाजार और युवा देश में युवाओं को ऐसे समावेशी समाज का निर्माण करना है, जहां हर समुदाय और समूह को न्याय एवं सम्मान मिले। युवाओं की इस तरह की सक्रिय भागीदारी से सामाजिक एकजुटता का मार्ग प्रशस्त होगा जो नए भारत के निर्माण के लिए जरूरी है।

स्वतंत्रता के इस अमृतकाल में नए भारत के निर्माण के लिए राष्ट्र के युवाओं को सशक्त बनाने की आवश्यकता है, जिसके लिए जनभागीदारी को बढ़ावा देना जरूरी है।

नए आत्मनिर्भर भारत के युवा आकांक्षा, उत्साह और ऊर्जा से भरपूर हैं। ये युवा हमारे समाज में बड़े पैमाने पर परिवर्तन ला रहे हैं। भारत एक ऐसी सकारात्मक व्यवस्था के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ रहा है जहां युवाओं की क्षमता और ऊर्जा का उपयोग सभी के विकास के लिए हो सके।

हमें समावेशी आर्थिक विकास, उत्तरदायी शासन व्यवस्था और एक नए भारत के निर्माण के लिए युवाओं की ऊर्जा का अधिक प्रभावी ढंग से उपयोग करना चाहिए।

इस कर्तव्य काल ने हमें इस आकांक्षी समाज के सपनों को साकार करने और लक्ष्यों को पूरा करने का एक सुनहरा अवसर प्रदान किया है। हमें एक ऐसा परिवेश तैयार करना चाहिए जहां युवा एक साथ आ सकें और कृतसंकल्प होकर एक नए भारत के निर्माण की दिशा में अपनी पूरी ताकत के साथ कार्य कर सकें।

स्वामी विवेकानंद ने भारत के युवाओं को हमारे गौरवशाली अतीत और उज्ज्वल भविष्य के बीच एक मजबूत कड़ी के रूप में देखा था। स्वामी जी कहा करते थे कि सारी शक्ति हमारे भीतर ही है। अतः हमें उस शक्ति का आह्वान करना चाहिए। युवाओं को यह विश्वास होना चाहिए कि वे कुछ भी कर सकते हैं। मुझे विश्वास है कि आने वाले वर्षों में किराड़ समाज हमारे राष्ट्र की बेहतरी के लिए इसी प्रकार कार्य करता रहेगा।

मैं एक बार फिर श्री कल्याणराय जी किराड़ क्षेत्रीय विकास समिति के सभी पदाधिकारियों को बधाई देता हूं और उनके सभी भावी प्रयासों की सफलता की कामना करता हूं।